भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3654

जिसका उत्तर दिनांक 25.07.2019 को दिया जाना है

कुडनकुलम परमाणु विद्युत संयंत्र में खराबी आना

3654. डॉ. टी. सुब्बारामी रेड्डी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान कुडनकुलम परमाणु विद्युत संयंत्र की 1000 मेगावाट की इकाई I में उत्पादन अक्सर रोका गया है ;

(ख) यदि हाँ, तो इसके कारणों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) प्राय: होने वाली खराबियों और परिणामस्वरूप कुडनकुलम परमाणु विद्युत संयंत्र रिएक्टरों के बंद हो जाने का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं ; और

(घ) इस संबंध में स्थानीय जनता और आम जनता की चिंताओं और डर का निराकरण करने के लिए क्या पहल की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) जी, नहीं । पिछले तीन वर्षों (2016-17, 2017-18, और 2018-19) के दौरान, कुडनकुलम यूनिट-1 रिएक्टर को आठ बार शटडाउन किया गया । इनमें दो बार शटडाउन, योजनाबद्ध ईंधन पुनर्भरण के लिए था ।

(ग) यूनिट-1 के टर्बोजनरेटर का एक बड़ा मैनटीनन्स और पूरी जाँच, स्वदेशी तौर पर, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा भारतीय ठेकेदारों के माध्यम से की गई और यूनिट अब अपनी निर्धारित क्षमता पर प्रचालनरत है । एनपीसीआईएल, यूनिटों का लंबे समय तक सतत प्रचालन सुनिश्चित करने के लिए, परम्परागत क्षेत्रों के मुद्दों के समाधान के लिए रूसी विशेषज्ञों के साथ, कार्य में जुटा हुआ है ।

(घ) एनपीसीआईएल ने, समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने और नाभिकीय विद्युत सुरक्षा, परियोजना और सभी संबंधित मुद्दों के बारे में आशंकाओं को विश्वसनीय तरीके से दूर करने के लिए, कुडनकुलम और उसके आस-पास के क्षेत्रों में एक विस्तृत सुरचित पब्लिक आउटरीच प्रोग्राम आरम्भ किया है । इस संबंध में की गई पहल में, स्थानीय लोगों से संबंधित प्रत्येक मुद्दे का समाधान करते हुए, सरल स्थानीय भाषा में सिंगल शीटों का वितरण, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में विजिटों की व्यवस्था करना, प्रदर्शनी लगाना, स्थानीय प्रेस और मीडिया को जानकारी देना, समुदाय नेताओं और जनता प्रतिनिधियों को संबोधित करना, शामिल है । स्थानीय लोगों और आम जनता को नाभिकीय ऊर्जा और संयंत्र के बारे में सूचना प्रदान के लिए, स्थल प्रवेश द्वार पर एक सूचना केन्द्र की स्थापना की जा रही है ।

****